(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस प्रथा को रोकने के लिए कोई कदम उठाने का विचार रखती है; और यदि नहीं, तो क्या सरकार इस मामले में कोई जांच कराने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री नाथू राम मिर्धा) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

खाद्य और नागरिक पूर्ति विभाग, दिल्ली के निरीक्षकों के विरुद्ध शिकायतें

2156. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक:** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान खाद्य और नागरिक पूर्ति विभाग के पूर्वी दिल्ली के मण्डलों में नियुक्त निरीक्षकों द्वारा रिश्वत लिये जाने तथा शक्ति का दुरुपयोग किये जाने के विरुद्ध विभिन्न समितियों तथा नागरिकों से अब तक कुल कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(ख) कितने निरीक्षकों के विरुद्ध ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई हैं और उनके विरुद्ध किस प्रकार के आरोप लगाये गये हैं ; और

(ग) प्रत्येक शिकायत पर क्या कार्यवाही की गई है या किये जाने का विचार है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री नाथू राम मिर्धा) : (क) दिल्ली प्रशासन ने बताया है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान 58 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

(ख) जिन निरीक्षकों के विरुद्ध शिकायतें प्राप्त हुई हैं उनकी संख्या 32 है। लगाए गए आरोप सामान्यतया परेशान करने, विभागीय अनुदेशों के अनुपालन में अनियमितता बरतने, अवैध रूप से तुष्टिकरण इत्यादि से सम्बन्धित हैं।

(ग) जिन मामलों में आरोप सिद्ध हो गए उनमें उपयुक्त कार्रवाई की गई है। तथापि, अधिकांश शिकायतों को जांच करने के बाद तथ्यों पर आधारित नहीं पाया गया। शिकायतें तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

दिल्ली में नये राशनकार्डों का जारी किया जाना

2157. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले छः माह के दौरान नये राशन कार्डों के जारी किये जाने के लिए पूर्वी दिल्ली में खाद्य और नागरिक पूर्ति विभाग के सभी मंडलों में कुल कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं;

(ख) प्रत्येक मंडल में निपटा दिये गये तथा लम्बित पड़े आवेदन-पत्रों की अलग-अलग संख्या कितनी है ;

(ग) कितने आवेदनों को रद्द कर दिया गया है; और

(घ) इसके क्या कारण हैं और लम्बित पड़े आवेदनों का कब तक निपटान कर दिये जाने की सम्भावना है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री नाथू राम मिर्धा) : (क) से (ग)